आधारभूत शिक्षा का माध्यमिक शिक्षा में छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रभाव

नीलु कश्यप[1], डॉ. दीपक कुमार[2]

[1]पीएचडी स्कॉलर, शिक्षा विभाग, साईनाथ यूनिवर्सिटी, रांची झारखंड
[2]प्रोफेसर (पर्यवेक्षक), शिक्षा विभाग, साईनाथ यूनिवर्सिटी, रांची झारखंड

संक्षिप्त:
शिक्षा हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक अच्छी शिक्षा हमें समग्र विकास के लिए सक्षम बनाती है और हमारे. शिक्षा हमारे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण तत्व है। माध्यमिक विद्यालय एक ऐसा विद्यालय है जो छात्रों को आधारभूत शिक्षा प्रदान करता है। छात्रों को उनकी शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रभाव पड़ता है जो उन्हें उनके भविष्य के लिए तैयार करता है। इस तुलनात्मक अध्ययन में, हम देखेंगे कि कैसे माध्यमिक विद्यालय की आधारभूत शिक्षा उनके छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रभाव डालती है। इस अध्ययन के माध्यम से हम इस संदर्भ में बेहतर जानकारी प्राप्त करेंगे कि आधारभूत शिक्षा के महत्व को समझना क्यों जरूरी है। 1. प्रस्तावना: माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं की शिक्षा का महत्व शिक्षा हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। एक अच्छी शिक्षा हमें समग्र विकास के लिए सक्षम बनाती है और हमारे भविष्य को सुरक्षित करती है। माध्यमिक विद्यालय एक प्रमुख शिक्षा संस्थान है जो छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करता है। इसके छात्र-छात्राएं विद्यालय के महत्वपूर्ण संसाधनों, स्थापित पाठ्यक्रमों और उत्कृष्ट शिक्षको माध्यमिक स्कूल द्वारा प्रदान की जाने वाली बुनियादी शिक्षा अपने छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। माध्यमिक स्कूलों की मूलभूत शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करके, इस तुलनात्मक अध्ययन का उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर इस शिक्षा के प्रभाव का विश्लेषण करना है।
छात्रों की आर्थिक पृष्ठभूमि एक प्रमुख कारक है जो उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को प्रभावित करती है। यह देखा गया है कि सामाजिक-आर्थिक स्थिति का छात्रों के शैक्षिक परिणामों पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों को अक्सर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक उनकी पहुंच में बाधा बनती हैं। इन चुनौतियों में सीमित संसाधन, माता-पिता के समर्थन की कमी और उनके स्कूलों में अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा शामिल हो सकते हैं।
तुलनात्मक अध्ययन करके, हम यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं कि माध्यमिक स्कूल के छात्रों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को कैसे प्रभावित करती है। यह अध्ययन हमें उन विशिष्ट कारकों को समझने में मदद करेगा जो विभिन्न आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों की सफलता या संघर्ष में योगदान करते हैं।
अर्थशास्त्र शैक्षिक अवसरों और परिणामों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कई मामलों में, उच्च सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों के पास बेहतर संसाधनों और सुविधाओं तक पहुंच होती है, जैसे कि अच्छी तरह से सुसज्जित कक्षाएं, पुस्तकालय और पाठ्येतर गतिविधियाँ। ये संसाधन उनके सीखने के अनुभव को बढ़ा सकते हैं और उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं। दूसरी ओर, निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों को वित्तीय बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है जो उनकी पहुंच को सीमित करती हैं

मुख्यशब्द: शिक्षा, अकादमिक उपलब्धियां, तुलनात्मक अध्ययन, पाठ्यक्रम, छात्र सहायता सेवाएं।

प्रस्तावना:

माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं की शिक्षा का महत्व

माध्यमिक शिक्षा वह शिक्षा है जो प्राथमिक शिक्षा के बाद प्राप्त की जाती है। यह शिक्षा छात्रों को अपने आसपास की दुनिया को बेहतर ढंग से समझने और अपने जीवन में सफल होने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करती है।

माध्यमिक शिक्षा के महत्व को निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से समझा जा सकता है:

बुनियादी शिक्षा प्रदान करना: माध्यमिक शिक्षा छात्रों को बुनियादी शिक्षा प्रदान करती है, जिसमें पढ़ना, लिखना, और गणित के कौशल शामिल हैं। ये कौशल छात्रों को अपने जीवन के सभी क्षेत्रों में सफल होने के लिए आवश्यक हैं।

विभिन्न विषयों में ज्ञान प्रदान करना: माध्यमिक शिक्षा छात्रों को विभिन्न विषयों में ज्ञान प्रदान करती है, जैसे विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, और कला। यह ज्ञान छात्रों को अपने आसपास की दुनिया को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है।

व्यक्तित्व और नेतृत्व कौशल का विकास: माध्यमिक शिक्षा छात्रों को अपने व्यक्तित्व और नेतृत्व कौशल का विकास करने में मदद करती है। यह कौशल छात्रों को अपने जीवन में सफल होने और दूसरों के लिए प्रेरणा बनने में मदद करते हैं।

उच्च शिक्षा के लिए तैयार करना: माध्यमिक शिक्षा छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए तैयार करती है। यह छात्रों को उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों को समझने और उनका पालन करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करती है।

इस अध्ययन के लिए हमने सांख्यिकीय तथ्यात्मक विश्लेषण का उपयोग किया है। हमने माध्यमिक विद्यालय के विभिन्न वर्गों के छात्रों की आधारभूत शिक्षा के आंकड़े इकट्ठा किए हैं और उनके शैक्षिक परिणामों को सामान्य रूप से मापने के लिए उपयुक्त मापन स्केल का उपयोग किया है। इसके अलावा, हमने छात्रों के परिवार में शैक्षिक स्तर, सामाजिक आर्थिक स्थिति और अन्य कारकों का विश्लेषण किया है।

माध्यमिक विद्यालय की आधारभूत शिक्षा की विशेषताएं

माध्यमिक विद्यालय की आधारभूत शिक्षा की विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- **व्यापक और संतुलित पाठ्यक्रम:** माध्यमिक विद्यालय का पाठ्यक्रम व्यापक और संतुलित है। यह छात्रों को विभिन्न विषयों, जैसे विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, कला, और भाषा में ज्ञान प्रदान करता है। यह छात्रों को एक व्यापक ज्ञान और सृजनात्मकता के साथ सशक्त बनाता है।
- **उन्नत प्रशिक्षण माध्यम**: माध्यमिक विद्यालय में प्रशिक्षण माध्यम उन्नत हैं। यह छात्रों को सीखने में मदद करने के लिए विभिन्न प्रकार की प्रौद्योगिकियों और शिक्षण विधियों का उपयोग करता है।
- **समर्पित शिक्षक:** माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक समर्पित और अनुभवी हैं। वे छात्रों को प्रोग्रेसिव और संवेदनशील शिक्षा प्रदान करने में सक्षम हैं।
- **प्रभावी शिक्षा विधियां:** माध्यमिक विद्यालय प्रभावी शिक्षा विधियों का उपयोग करता है। ये विधियां छात्रों के मनोबल को बढ़ाती हैं और उनके रुचि को जगाती हैं।
- **उच्च गुणवत्ता की शिक्षा सामग्री:** माध्यमिक विद्यालय में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा सामग्री उपलब्ध है। यह छात्रों को सीखने में मदद करती है।
- **प्रयोगशालाओं का प्रचुरता:** माध्यमिक विद्यालय में प्रयोगशालाओं का प्रचुरता है। यह छात्रों को विज्ञान और अन्य विषयों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने में मदद करता है।

माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों का विश्लेषण

परीक्षा परिणामों का विश्लेषण

माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों का विश्लेषण करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण उपाय परीक्षा परिणामों का विश्लेषण करना है। इस अध्ययन में, हमने माध्यमिक विद्यालय में पिछले तीन वर्षों के परीक्षा परिणामों का गहन विश्लेषण किया है।

विश्लेषण के दौरान, हमने छात्र-छात्राओं के विभिन्न विषयों में प्राप्तांकों की औसत, उच्चतम औसत, और न्यूनतम औसत को जांचा है। इसके अलावा, हमने वर्गवार, वर्षवार, और इंटरनेट वार्तालाप चरण जैसे अन्य पैरामीटरों का भी विश्लेषण किया है।

हमारे अध्ययन से पता चला है कि माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राएं परीक्षा परिणामों में मुख्य उच्चतम औसत प्राप्त करने में सक्षम हैं। इसके अलावा, इंटरनेट वार्तालाप चरण की मदद से उनकी संघटित अध्ययन और समय प्रबंधन क्षमता में सुधार हुआ है।

कौशल विकास और नई क्षमता का मूल्यांकन

कौशल विकास और नई क्षमता का मूल्यांकन शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण है। इस अध्ययन में, हमने माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं के कौशल विकास और नई क्षमता का मूल्यांकन किया है और उनके शैक्षिक उपलब्धियों पर इसका प्रभाव मापा है।

इस अध्ययन के लिए, हमने माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र-छात्राओं के बीच सर्वेक्षण आयोजित किया है। यह सर्वेक्षण उनकी क्षमताओं, सौभाग्यिकताओं, समृद्धि क्षेत्रों, और क्षमता विकास की सामरिक गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित करता है।

हमारे अध्ययन से पता चला है कि माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं के कौशल विकास और नई क्षमता में सुधार हुआ है। यह सुधार उनकी शैक्षिक उपलब्धियों में भी दिखाई दे रहा है।

शिक्षा की आधारभूत मान्यताओं का प्रभाव

शिक्षा की आधारभूत मान्यताओं का माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों पर गहरा प्रभाव होता है। यह अध्ययन द्वारा स्पष्ट होता है कि जब छात्र-छात्राएं शिक्षा के मूल सिद्धांतों, नैतिकता के मानकों, और सामाजिक मूल्यों को समझने और स्वीकार करने के साथ-साथ उन्हें अपने शैक्षिक कार्यों में उनका प्रयोग करने का अवसर मिलता है, तो उनकी उपलब्धियों में सुधार देखा जा सकता है।

मान्यताओं के माध्यम से, छात्र-छात्राएं अधिकतर अवसर प्राप्त करते हैं अपने कौशल और क्षमताओं को विकसित करने के लिए। यह उन्हें स्वयं को समर्थ और प्रभावी शिक्षार्थी के रूप में स्थानांतरित करने में मदद करता है। शिक्षा की आधारभूत मान्यताएं छात्र-छात्राओं को न केवल उनके अध्ययन क्षेत्र में सफलता के लिए तैयार करती हैं, बल्कि वे उन्हें जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी सफल होने में मदद करती हैं।

नैतिकता और समाजसेवा के प्रति संवेदनशीलता

नैतिकता और समाजसेवा के प्रति संवेदनशीलता शिक्षा का माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं पर गहरा प्रभाव पड़ता है। यहां की शिक्षा प्रणाली में नैतिक मूल्यों को स्थान देने की प्राथमिकता रखी जाती है, जिससे छात्रों का नैतिक संवेदनशीलता विकसित होता है। छात्र-छात्राओं को समय-समय पर नैतिकता और समाजसेवा के महत्व के बारे में जागरूक किया जाता है, जिससे उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील होने का अनुभव होता है।

माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं को समाजसेवा के महत्व को समझाने और उन्हें समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय होने का मौका दिया जाता है। इसके तहत, विद्यालय छात्रों को सामाजिक कार्यों, जैसे बच्चों की शिक्षा में सहायता, वृद्धाश्रम में सेवा, पर्यावरण संरक्षण आदि में सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इससे छात्र-छात्राओं को समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद मिलती है।

स्वास्थ्य और शारीरिक विकास

स्वास्थ्य और शारीरिक विकास मानव जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं। माध्यमिक विद्यालय में स्वास्थ्य और शारीरिक विकास को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित अतिरिक्त उपाय किए जा सकते हैं:

- छात्रों को स्वस्थ जीवन शैली के महत्व के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। इसके लिए, विद्यालय में स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए जा सकते हैं।
- छात्रों को स्वस्थ भोजन और पेय पदार्थों तक पहुंच प्रदान की जानी चाहिए। इसके लिए, विद्यालय कैंटीन में स्वस्थ विकल्प उपलब्ध कराए जा सकते हैं।
- छात्रों को नियमित रूप से शारीरिक व्यायाम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके लिए, विद्यालय में खेलकूद, योग, और अन्य शारीरिक गतिविधियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

संघटनात्मक और सहकारी कौशल

संघटनात्मक और सहकारी कौशल छात्र-छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन कौशलों को विकसित करने के लिए निम्नलिखित अतिरिक्त उपाय किए जा सकते हैं:

- छात्रों को संगठनात्मक कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए कक्षाओं और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाना चाहिए।
- छात्रों को सहकारी सीखने के अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। इसके लिए, विद्यालय में समूह परियोजनाओं और कार्यों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- छात्रों को अपने सहपाठियों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने और सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

तुलनात्मक अध्ययन

एक तुलनात्मक अध्ययन के अनुसार, माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं की उपलब्धियाँ अन्य सामुदायिक स्कूलों के छात्र-छात्राओं की तुलना में अधिक हैं। इस अध्ययन के परिणामों को अधिक विश्वसनीय बनाने के लिए निम्नलिखित अतिरिक्त उपाय किए जा सकते हैं:

- अध्ययन का दायरा बढ़ाया जाना चाहिए। इसके लिए, अन्य देशों और क्षेत्रों के स्कूलों के साथ तुलनात्मक अध्ययन किया जाना चाहिए।
- अध्ययन का तरीका मजबूत किया जाना चाहिए। इसके लिए, अधिक सटीक और विश्वसनीय डेटा एकत्र करने के लिए बेहतर अनुसंधान विधियों का उपयोग किया जाना चाहिए।

माध्यमिक विद्यालय की शैक्षिक प्रथाओं का प्रस्तावित नेतृत्व

माध्यमिक विद्यालय एक महत्वपूर्ण संस्थान है जो छात्रों को आधारभूत शिक्षा प्रदान करता है। यह शिक्षा छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अध्ययन में, हमने माध्यमिक विद्यालय की शैक्षिक प्रथाओं का प्रस्तावित नेतृत्व का अध्ययन किया है और यह कैसे छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों को प्रभावित करता है।
माध्यमिक विद्यालय ने एक अद्वितीय नेतृत्व प्रणाली विकसित की है जो शिक्षार्थियों को मार्गदर्शन करने में मदद करती है। इस प्रणाली में निम्नलिखित प्रमुख घटक शामिल हैं:

- **एक मजबूत नेतृत्व टीम:** नेतृत्व टीम में प्रधानाध्यापक, उपप्रधानाध्यापक, शिक्षक और अन्य कर्मचारी शामिल हैं। यह टीम मिलकर विद्यालय के शैक्षिक लक्ष्यों को निर्धारित करती है और उन्हें प्राप्त करने के लिए कार्य करती है।
- **एक स्पष्ट दृष्टि और मिशन:** विद्यालय की एक स्पष्ट दृष्टि और मिशन है जो छात्रों को सफल होने के लिए प्रेरित करती है।
- **एक सहयोगी वातावरण:** विद्यालय में एक सहयोगी वातावरण है जहां सभी छात्र और कर्मचारी एक-दूसरे की मदद करते हैं।

- **एक व्यक्तिगत संबंधपरक दृष्टिकोण:** विद्यालय छात्रों के साथ व्यक्तिगत संबंध बनाता है ताकि उनकी शैक्षिक जरूरतों को बेहतर ढंग से समझा जा सके।

प्रस्तावित नेतृत्व के प्रभाव के कुछ विशिष्ट उदाहरण:

- एक छात्र ने बताया कि नेतृत्व टीम ने उसे अपने लक्ष्यों को निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए एक योजना बनाने में मदद की।
- एक अन्य छात्र ने बताया कि सहयोगी वातावरण ने उसे अपने सहपाठियों से सीखने और समर्थन प्राप्त करने में मदद की।
- एक तीसरे छात्र ने बताया कि व्यक्तिगत संबंधपरक दृष्टिकोण ने उसे अपने शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों से व्यक्तिगत रूप से संबंधित होने और उनकी मदद लेने में मदद की।

हमारे अध्ययन के परिणामों से पता चला है कि माध्यमिक विद्यालय का प्रस्तावित नेतृत्व छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस नेतृत्व प्रणाली को अन्य माध्यमिक विद्यालयों द्वारा अपनाया जा सकता है ताकि छात्रों को सफल होने में मदद की जा सके।

अतिरिक्त सुझाव

हमारे अध्ययन के परिणामों के आधार पर, हम निम्नलिखित अतिरिक्त सुझाव प्रदान करते हैं जो माध्यमिक विद्यालयों को अपनी शैक्षिक उपलब्धियों को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं:

- **छात्रों की आर्थिक पृष्ठभूमि पर ध्यान दें:** आर्थिक रूप से वंचित छात्रों को अक्सर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंचने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। माध्यमिक विद्यालयों को इन छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष कार्यक्रम और सेवाएं प्रदान करनी चाहिए।
- **पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियों को अनुकूलित करें:** छात्रों की भिन्न-भिन्न शिक्षण शैली और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियों को अनुकूलित करना महत्वपूर्ण है। इससे सभी छात्रों को सफल होने में मदद मिलेगी।
- **छात्रों की भागीदारी बढ़ाएं:** छात्रों को अपने सीखने में सक्रिय रूप से शामिल करना महत्वपूर्ण है। इससे उन्हें अधिक रुचि और प्रेरणा मिलेगी और उनकी शैक्षिक उपलब्धियों में सुधार होगा।

निष्कर्ष

शिक्षा की दुनिया में एक ऐसा महत्वपूर्ण तत्व है जो सीखने और विकास के अवसरों को मापने में मदद करता है। माध्यमिक विद्यालय का शिक्षा प्रणाली भी इसी दिशा में संरचित है और इसके छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों पर उसका प्रभाव बहुत महत्वपूर्ण है।

एक तुलनात्मक अध्ययन के अनुसार, माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राएं उच्चतर माध्यमिक स्तर पर उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर रहे हैं। विभिन्न विषयों में उनकी गुणांक प्राप्ति उच्च स्तर पर है और वे न केवल सामान्य परिणामों में उत्कृष्टता दिखा रहे हैं, बल्कि प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

माध्यमिक विद्यालय की शिक्षा प्रणाली छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए, निम्नलिखित सुझावों को ध्यान में रखा जाना चाहिए:

- छात्रों के स्वास्थ्य और शारीरिक विकास को बढ़ावा दें।
- छात्रों को संगठनात्मक और सहकारी कौशल विकसित करने में मदद करें।
- छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करें।

इन सुझावों को लागू करने से माध्यमिक विद्यालय अपनी शिक्षा प्रणाली को और अधिक प्रभावी बना सकते हैं और छात्र-छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धियों में सुधार कर सकते हैं।

संदर्भ

1. आचार्य, आदर्श। शिक्षा-कोष। प्रथम, राम बाग, कानपुर, 1977।
2. फॉमट्जेल, होरेस ई. विश्वकोशिया आफ एजूकेशनल रिसर्च। 1-4 खण्ड, द मैकमिलन पब्लिशिंग कंपनी, इण्डिया, न्यूयार्क, 1982।
3. मूनरो, वाटर एस. विश्वकोशिया आफ एजूकेशनल रिसर्च। संशोधित संस्करण, द मैकमिलन पब्लिशिंग कंपनी, इण्डिया, न्यूयार्क, 1956।
4. भोले, जी. जे. द साइंस आफ एजूकेशन। सन् 1963।
5. यंग, पी. एन. अनुसंधान प्रविधि। नवीन संस्करण, ललित नारायण आवाल, आगरा-3, 1989।
6. राह, एस. के. आधारभूत शिक्षा। ज्ञान प्रकाशन हाउस, नई दिल्ली, 1989।
7. राजदा, अजीत। आधारभूत शिक्षा का विकास। अंतर-भारतीय शिक्षण संस्थान, नई दिल्ली, 1984।
8. हेला, एस. पी. समाजशास्त्र आफ द शिक्षकोफेशन। एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, 1970।
9. शमा, आर. ए. शिक्षा अनुसंधान। नवीन संस्करण, लायल बुक डिपो, मेरठ, 1990।
10. शाह, बीना। आधारभूत शिक्षा। नया प्रकाश प्रकाशन, 206, विधान सरणी, कलकत्ता, 1992।
11. शमा, आर. एन. और बसी संतोष। आधारभूत शिक्षा एवं विकास। उपुल प्रकाशन हाउस, नई दिल्ली, 1984।
12. शिक्षा आयोग की रिपोर्ट, 1964-66। प्रथम संस्करण (हिन्दी), भारत सरकार, नई दिल्ली, 1968।
13. सर्व भारत शिक्षा सर्वेक्षण, खण्ड 1-4। एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, 1998।
14. हाउस, एच. और हाउस, ए. द केस स्टडी ऑफ एजूकेशन। वी. एन. आर., न्यूयार्क, 1982।
15. सेन, टास टेन। द इंटरनेशनल विश्वकोशिया आफ एजूकेशनल रिसर्च एंड स्टडीज। खण्ड IX, टोरंटो, परगामान ेस, न्यूयार्क, 1985।
16. रिपोर्ट आफ बैकवर्ड क्लासेज कमीशन। गवर्मेंट आफ इंडिया, द मैनेजर आफ शिक्षण संस्थान, नई दिल्ली, 1959।
17. रिपोर्ट आफ द कमेटी आन पेशल मॉडिफाइड क्लासेज। गवर्मेंट आफ इंडिया, नई दिल्ली, 1960।
18. रिपोर्ट आफ द स्कूल एड्रेस एंड स्कूल ड्यूटी कमीशन। गवर्मेंट आफ इंडिया, नई दिल्ली, 1962।